जे.पी.एस.सी मुख्य परीक्षा-2016
सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)
JPSC Mains Exam-2016
General Studies
(Question Paper-II)

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

1,00,000+
Mock Tests

Personalised
Report Card

Unlimited
Re-Attempt

600+
Exam Covered

25,000+ Previous
Year Papers

500%
Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

Paper-II

पत्र-II

HINDI LANGUAGE AND LITERATURE

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

निर्देश :

(1) हाशिये में पूर्णांक दिये गए हैं।

(2) प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त है। **भाग-A** में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं. 01 से 04) एवं **भाग-B** में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं. 05 से 08) हैं।

(3) कुल छह प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 का उत्तर देना अनिवार्य है।

(4) अनिवार्य प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 के अंतर्गत कुल सात-सात प्रश्न हैं। कुल सात-सात प्रश्नों में से पाँच-पाँच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) अनिवार्य प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक एवं कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

भाग-A

खण्ड-A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिये: **(5 × 7 = 35)**

(क) हिन्दी भाषा के क्षेत्र का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

(ख) भाषा तथा बोली के अंतर को स्पष्ट कीजिये।

(ग) समास क्या है? इसके भेदों की चर्चा कीजिये।

(घ) राजभाषा के रूप में हिन्दी का महत्त्व बताइए।

(ङ) 'काव्य-प्रयोजन' क्या है? स्पष्ट कीजिये।

(च) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिये।

(छ) 'व्यंजना' शब्द-शक्ति के लक्षण और उदाहरण दीजिये।

2. (क) भाषाओं के वर्गीकरण के प्रमुख आधारों की सोदाहरण विवेचना कीजिये। 10

(ख) संस्कृत-काव्यशास्त्र में विवेचित काव्य-हेतुओं की व्याख्या कीजिये। 10

3. (क) हिन्दी के सर्वनामों का सोदाहरण विवेचन कीजिये। 10

(ख) ध्वनि के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी उपयोगिता बताइए। 10

4. (क) प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और प्रासंगिकता पर विचार कीजिये। 10

(ख) संधि और समास की परिभाषा देते हुए इनके बीच व्याप्त अंतरों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 10

भाग-B

खण्ड-B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही पाँच के उत्तर दीजिये : **(5 × 7 = 35)**

(क) साहित्येतिहास-लेखन की विधेयवादी प्रणाली क्या है?

(ख) हिन्दी साहित्य के 'आदिकाल' के अन्य नामों की अनुपयुक्तता पर विचार कीजिये।

(ग) संत काव्यधारा की प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिये।

(घ) बिहारी के दोहे 'देखन में छोटे लगैं, घाव करैं गंभीर' जैसी उक्ति को चरितार्थ करते हैं। इस कथन की समीक्षा कीजिये।

(ङ) 'आधे अधूरे' आधुनिक मध्यवर्गीय जीवन की विसंगतियों को सामने लाता है। इस कथन की तर्कपूर्ण जाँच कीजिये।

(च) वातावरण की सजीवता, कहानी की लाक्षणिक भंगिमा, फ्लैश बैक की शैली और कथा शिल्प का संयम अद्‌भुत है। इस कथन के आलोक में 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिये।

(छ) 'नई कविता' की प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिये।

6. (क) 'अयोध्याकांड' रामचरितमानस का हृदय स्थल है।' इस कथन की सत्यता की जाँच सोदाहरण कीजिये। **10**

(ख) 'कामायनी' के आधार पर जयशंकर प्रसाद की नारी-दृष्टि का मूल्यांकन कीजिये। **10**

7 .(क) हिन्दी उपन्यास-परंपरा में 'मैला आंचल' का महत्त्व बताइए। **10**

(ख) 'प्रगतिवाद अपनी सीमाओं के बावजूद हिन्दी काव्यधारा के विकास का महत्त्वपूर्ण पड़ाव है।' - इस दृष्टि से प्रगतिवादी कवियों और उनकी रचनाओं पर मंतव्य दीजिये। **10**

8. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिये : **(2 × 5 = 10)**

(I) है अमानिशा उगलता गगन घन अंधकार,
खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवन-चार,
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल,
भूधर ज्यों ध्यानमग्न, केवल जलती मशाल

(II) जयघोष तुम्हारे चारण करेंगे; हत्या, रक्तपाल और अग्निकांड के लिये उपकरण जुटाने में मुझे आनन्द नहीं। विजय-तृष्णा का अंत पराभव में होता है, अलक्षेन्द्र! राजसत्ता सुव्यवस्था से बढ़े तो बढ़ सकती है, केवल विजयों से नहीं। इसलिये अपनी प्रजा के कल्याण में लगो।

(ख) 'आदिवासी साहित्य की आवश्यकता' अथवा 'समकालीन हिन्दी पत्रकारिता' पर एक निबंध लिखिये। **10**